IJFANS INTERNATIONAL JOURNAL OF FOOD AND NUTRITIONAL SCIENCES
ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

वर्तमान समय में परिवर्तनकारी शिक्षा की आवश्यकता

Mr. Panjak Kumar Sinha

Assistant Professor

Regional College of Education, Gaya, Bihar

सार

आज की दुनिया तेज़ी से बदल रही है। नई तकनीकों का उदय, वैश्वीकरण का बढ़ता प्रभाव, और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में बदलाव शिक्षा प्रणाली को भी बदलने की मांग करते हैं। यही कारण है कि परिवर्तनकारी शिक्षा की आवश्यकता है। आज की दुनिया तेज़ी से बदल रही है। नई तकनीकों का उदय, वैश्वीकरण का बढ़ता प्रभाव, और सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में बदलाव शिक्षा प्रणाली को भी बदलने के लिए मजबूर कर रहे हैं। यही कारण है कि परिवर्तनकारी शिक्षा की आवश्यकता है, जो छात्रों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने और उनमें सफल होने के लिए तैयार कर सके। परिवर्तनकारी शिक्षा पारंपरिक शिक्षा पद्धति से अलग है। यह रटने और परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, समालोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, सहयोग और समस्या समाधान जैसे कौशलों को विकसित करने पर ज़ोर देती है। यह छात्रों को स्वतंत्र शिक्षार्थी बनने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो अपने जीवन में सफलता और खुशी प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल का निर्माण कर सकें।

मुख्य शब्द

वर्तमान, समय, परिवर्तनकारी, शिक्षा

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

भूमिका

भारत सरकार परिवर्तनकारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पहल कर रही है। इनमें नई शिक्षा नीति 2020 शामिल है, जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को अधिक लचीला और प्रासंगिक बनाना है। सरकार स्कूलों में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने और शिक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार करने के लिए भी काम कर रही है। (गोरिस, 2019)

आज की दुनिया तेज़ी से बदल रही है। तकनीक, अर्थव्यवस्था और समाज में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। इन बदलावों के साथ तालमेल बिठाने के लिए, शिक्षा प्रणाली में भी बदलाव लाना आवश्यक है। यही कारण है कि परिवर्तनकारी शिक्षा की आज अत्यंत आवश्यकता है।

परिवर्तनकारी शिक्षा पारंपरिक शिक्षा प्रणाली से भिन्न है। यह शिक्षार्थियों को केवल ज्ञान प्राप्ति पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, समस्या समाधान, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और सहयोग जैसे कौशल विकसित करने पर ज़ोर देती है। यह शिक्षार्थियों को स्वतंत्र शिक्षार्थी बनने के लिए प्रोत्साहित करती है, जो जीवन भर सीखना जारी रख सकें।

परिवर्तनकारी शिक्षा शिक्षा का भविष्य है। यह शिक्षार्थियों को 21वीं सदी में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान कर सकती है। यह शिक्षा को अधिक प्रासंगिक, आकर्षक और प्रभावी बना सकती है। आइए हम सब मिलकर परिवर्तनकारी शिक्षा को बढ़ावा दें और एक बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

हालांकि, परिवर्तनकारी शिक्षा को लागू करने में कई चुनौतियां भी हैं। इनमें संसाधनों की कमी, शिक्षकों का प्रशिक्षण, और पारंपरिक शिक्षा पद्धतियों के प्रति प्रतिरोध शामिल हैं। इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सरकार, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। (ब्रेंडर, 2019)

परिवर्तनकारी शिक्षा के कुछ प्रमुख लाभ निम्नलिखित हैं:

यह छात्रों को 21वीं सदी की नौकरियों के लिए तैयार करती है। आज की नौकरियों में अक्सर उन कौशलों की आवश्यकता होती है जो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली द्वारा सिखाए नहीं जाते हैं।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

परिवर्तनकारी शिक्षा छात्रों को इन कौशलों को विकसित करने में मदद कर सकती है, जिससे उन्हें नौकरी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाया जा सकता है।

यह छात्रों को जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करती है। परिवर्तनकारी शिक्षा छात्रों को समस्या का समाधान करने, महत्वपूर्ण सोचने, और प्रभावी ढंग से संवाद करने जैसे कौशल सिखाती है। ये कौशल किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं।

यह छात्रों को दुनिया के नागरिक बनने के लिए प्रेरित करती है। परिवर्तनकारी शिक्षा छात्रों को सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता, और सांस्कृतिक विविधता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में सीखने में मदद करती है। यह उन्हें दुनिया में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करती है। (रोश, 2016)

परिवर्तनकारी शिक्षा पारंपरिक शिक्षा से अलग है। यह केवल ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित नहीं करती, बल्कि छात्रों को 21वीं सदी के कौशल विकसित करने में मदद करती है, जैसे कि:

समस्या समाधान: जटिल समस्याओं का विश्लेषण करने और रचनात्मक समाधान खोजने की क्षमता।

संचार: प्रभावी ढंग से विचारों को व्यक्त करने और दूसरों के साथ सहयोग करने की क्षमता।

सृजनात्मकता: नए विचारों को उत्पन्न करने और अभिनव समाधानों के साथ आने की क्षमता।

आलोचनात्मक सोच: जानकारी का मूल्यांकन करने और तर्कसंगत निर्णय लेने की क्षमता।

डिजिटल साक्षरता: प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रभावी ढंग से सीखने और काम करने की क्षमता।

परिवर्तनकारी शिक्षा के कई फायदे हैं। यह छात्रों को:

आत्मविश्वास और स्वतंत्र विचारक बनने में मदद करता है।

जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद करता है।

जटिल समस्याओं को हल करने और नई चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान देता है।

परिवर्तनकारी शिक्षा को लागू करने के लिए कई तरीके हैं। कुछ महत्वपूर्ण रणनीतियाँ इस प्रकार हैं:

अनुभवात्मक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें छात्र सक्रिय रूप से सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं।

समस्या-आधारित शिक्षा का उपयोग करना, जिसमें छात्र वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए काम करते हैं।

प्रौद्योगिकी का उपयोग शिक्षा को अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाने के लिए।

शिक्षकों को प्रशिक्षण देना ताकि वे परिवर्तनकारी शिक्षा पद्धतियों को लागू कर सकें।

पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली को बदलना ताकि वे 21वीं सदी के कौशल को माप सकें।

परिवर्तनकारी शिक्षा समय की आवश्यकता है। यह छात्रों को 21वीं सदी में सफल होने और दुनिया में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए तैयार करने में मदद कर सकती है।

हमें शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने और परिवर्तनकारी शिक्षा को अपनाने की आवश्यकता है। यह छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करेगा और उन्हें एक बेहतर दुनिया बनाने में मदद करेगा। (बजाज, 2019)

वर्तमान समय में परिवर्तनकारी शिक्षा की आवश्यकता

परिवर्तनकारी शिक्षा भविष्य की शिक्षा है। यह शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने और सफल होने के लिए तैयार करेगी। यह शिक्षा भारत और पूरे विश्व के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण करेगी। (अज़ोले, 2019)

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि परिवर्तनकारी शिक्षा अभी भी अपने विकास के प्रारंभिक चरण में है। इसे लागू करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना होगा, जैसे कि शिक्षकों का प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचे का विकास और वित्तपोषण। लेकिन, यदि हम सब मिलकर प्रयास करें तो निश्चित रूप से हम शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं और सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी शिक्षा को लागू करना एक जटिल और बहुआयामी कार्य है। इसमें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिनमें से कुछ प्रमुख चुनौतियाँ निम्नलिखित हैं:

मानसिकता में बदलाव:

पारंपरिक शिक्षा प्रणाली रटने और परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने पर अधिक ध्यान देती है, जबकि परिवर्तनकारी शिक्षा रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल पर केंद्रित है। शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों को इस नई शिक्षा पद्धति के महत्व को समझने और अपनाने में समय लगेगा।

पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में बदलाव:

परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम को अधिक लचीला और गतिविधि-आधारित बनाने की आवश्यकता है। मूल्यांकन प्रणाली को भी छात्रों की प्रगति का व्यापक मूल्यांकन करने के लिए बदलना होगा, न कि केवल रटने पर आधारित परीक्षाओं पर।

शिक्षक प्रशिक्षण:

परिवर्तनकारी शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शिक्षकों को नए तरीकों और तकनीकों में प्रशिक्षित करने की आवश्यकता होगी। इसके लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और संसाधनों की आवश्यकता होगी। (अरेंड्ट, 2018)

बुनियादी ढांचे में सुधार:

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

परिवर्तनकारी शिक्षा के लिए कई तरह के संसाधनों और गतिविधियों की आवश्यकता होती है, जिनके लिए बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी। इसमें स्मार्ट क्लासरूम, प्रयोगशालाएँ, पुस्तकालय और अन्य सुविधाओं का विकास शामिल है।

समावेशिता:

परिवर्तनकारी शिक्षा सभी छात्रों के लिए सुलभ होनी चाहिए, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या क्षमता कुछ भी हो। इसके लिए विकलांग छात्रों, वंचित समुदायों के छात्रों और अन्य कमजोर समूहों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त सहायता और संसाधनों की आवश्यकता होगी।

वित्तपोषण:

परिवर्तनकारी शिक्षा को लागू करने के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। सरकार, निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों से पर्याप्त धनराशि जुटाने की आवश्यकता होगी।

परिवर्तनकारी शिक्षा भारत की शिक्षा प्रणाली में क्रांति लाने की क्षमता रखती है। हालांकि, इसे लागू करने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक ठोस योजना और सामूहिक प्रयास की आवश्यकता होगी। सरकार, शिक्षाविदों, अभिभावकों और छात्रों को मिलकर काम करना होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण परिवर्तनकारी शिक्षा उपलब्ध हो।(रिचर्ड, 2019)

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये केवल कुछ प्रमुख चुनौतियाँ हैं। अन्य चुनौतियों में सामाजिक-आर्थिक असमानता, राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रौद्योगिकी तक पहुंच की कमी शामिल हो सकती हैं। इन सभी चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी।

आज के गतिशील दौर में, शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है। रटने और परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने के बजाय, ज़रूरत है ऐसी शिक्षा की जो विद्यार्थियों को जीवन के लिए तैयार करे। परिवर्तनकारी शिक्षा इसी दिशा में एक कदम है। यह एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो विद्यार्थियों को आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, समस्या समाधान और सहयोग जैसी महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में मदद

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

करती है। परिवर्तनकारी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए, सरकार, शिक्षण संस्थान, शिक्षक, अभिभावक और समुदाय, सभी का मिलकर प्रयास करना आवश्यक है। (आंद्रेओटी, 2016)

सरकार की भूमिका:

शिक्षा नीति में बदलाव: सरकार को शिक्षा नीति में बदलाव लाकर परिवर्तनकारी शिक्षा को प्रोत्साहित करना चाहिए। नीति में कौशल विकास, अनुभवात्मक शिक्षा और रचनात्मकता पर ज़ोर दिया जाना चाहिए।

अवसंरचना और संसाधनों में निवेश: सरकार को स्कूलों में बुनियादी ढांचे और संसाधनों में निवेश करना चाहिए, जैसे कि पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं, और कंप्यूटर लैब।

शिक्षक प्रशिक्षण: सरकार को शिक्षकों को परिवर्तनकारी शिक्षा पद्धतियों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करना चाहिए।

शिक्षण संस्थानों की भूमिका:

नई शिक्षा पद्धतियों को अपनाना: शिक्षण संस्थानों को व्याख्यान देने के बजाय, परियोजना आधारित शिक्षण, सहयोगात्मक शिक्षण और अनुभवात्मक शिक्षण जैसी नई शिक्षा पद्धतियों को अपनाना चाहिए।

विद्यार्थियों की रुचि और क्षमताओं को ध्यान में रखना: शिक्षण संस्थानों को सभी विद्यार्थियों की रुचि और क्षमताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम तैयार करना चाहिए।

समुदाय के साथ जुड़ाव: शिक्षण संस्थानों को समुदाय के साथ जुड़कर, विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करना चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका:

मार्गदर्शक और प्रेरक बनना: शिक्षकों को केवल जानकारी देने वाले के बजाय, विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शक और प्रेरक बनना चाहिए।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने और सोचने के लिए प्रोत्साहित करना: शिक्षकों को विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने, सोचने और अपनी राय व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

विद्यार्थियों के साथ व्यक्तिगत संबंध विकसित करना: शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ व्यक्तिगत संबंध विकसित करना चाहिए ताकि वे उनकी ज़रूरतों को बेहतर ढंग से समझ सकें।

अभिभावकों की भूमिका:

बच्चों की शिक्षा में रुचि लेना: अभिभावकों को अपने बच्चों की शिक्षा में रुचि लेनी चाहिए और उनकी पढ़ाई में उनका समर्थन करना चाहिए।

बच्चों को घर पर सीखने के लिए प्रोत्साहित करना: अभिभावकों को बच्चों को घर पर सीखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए और उन्हें किताबें पढ़ने, खेल खेलने और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

शिक्षकों और स्कूल प्रशासन के साथ मिलकर काम करना: अभिभावकों को शिक्षकों और स्कूल प्रशासन के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा मिल रही है।

निष्कर्ष

परिवर्तनकारी शिक्षा 21वीं सदी में सफल होने के लिए आवश्यक है। यह छात्रों को उन कौशलों और ज्ञान से लैस करती है जिनकी उन्हें जीवन में सफल होने की आवश्यकता होती है। यह उन्हें दुनिया के नागरिक बनने और दुनिया में बदलाव लाने के लिए भी प्रेरित करती है। हालांकि, परिवर्तनकारी शिक्षा को लागू करने में कई चुनौतियां हैं। इन चुनौतियों को दूर करने के लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी।

संदर्भ

1. आंद्रेओटी, वी. (2016): नरम बनाम आलोचनात्मक वैश्विक नागरिकता शिक्षा। नीति और व्यवहार में: एक विकास शिक्षा समीक्षा 3 (2016): 40–51।

ISSN PRINT 2319 1775 Online 2320 7876
Research Paper © 2012 IJFANS. All Rights Reserved UGC CARE Listed (Group -I) Journal Volume 11, Iss 13, 2022

2. रिचर्ड, वी. (2019): वैश्विक नागरिकता शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था। वैश्वीकरण, समाज और शिक्षा 9 (3-4): 307–310।
3. अरेंड्ट, एच. (2018): मानवीय स्थिति। शिकागो: शिकागो विश्वविद्यालय प्रेस।
4. अज़ोले, ए. (2019): लक्षण के रूप में फिलिस्तीन, आशा के रूप में फिलिस्तीन: मानवाधिकार प्रवचन को संशोधित करना। क्रिटिकल इंक्वायरी 40 (4): 332–364।
5. बजाज, एम. (2019): मानवाधिकार शिक्षा: विचारधारा, स्थान और दृष्टिकोण। मानवाधिकार त्रैमासिक 33 (2019): 481–580।
6. डोड्स, एफ., ए. डी. डोनोग्यू और जे. एल. रोश जेएल (2016): सतत विकास लक्ष्यों पर बातचीत: असुरक्षित दुनिया के लिए एक परिवर्तनकारी एजेंडा। लंदन, न्यूयॉर्क: रूटलेज।
7. ब्रैंडर, पी., एल. डी विट्टे, ...और जे. पिंकविसियुटे (2019): कम्पास: युवा लोगों के साथ मानवाधिकार शिक्षा के लिए मैनुअल, दूसरा संस्करण। स्ट्रासबर्ग: काउंसिल।
8. गोरिस, के. (2019): वैश्विक नागरिकता शिक्षा और सतत विकास के लिए शिक्षा के बीच संबंध। अंक पत्र संख्या 2